RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

जितना था कल तक अरे, उससे ऊंचा आज।
तभी ताजपुर को कहें, लुधियाने का ताज।
लुधियाने का ताज, डंप यह बड़ा निराला।
है सबका सहयोग, सभी ने कूड़ा डाला।
कह साहिल कविराय, अभी तो है बस इतना।
ऊंचा इसको करें, और हो सकता जितना।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 182 | SATURDAY DATE 25-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

8th EDITION

LRGMA®

United we are...Stronger we are...

FOMERAH GREENS
RESORT STYLE LIVING
1 min. from South City
Bypass at Hambran Road

CBR
SAARK KNITS

INDIA'S LARGEST GARMENT EXHIBITION

Date :
26 27 28
JULY, 2026

Venue:
PUNJAB AGRICULTURE UNIVERSITY
FEROZEPUR ROAD, LUDHIANA.

FASHION LIFESTYLE INNOVATION

AUTUMN / WINTER Trends

ORGANISED BY:
LUDHIANA READYMADE GARMENTS MANUFACTURERS ASSOCIATION

जंतर-मंतर निगरानी मामले में केंद्र ने दिल्ली हाईकोर्ट में रखा पक्ष, प्रदर्शनों की वीडियो रिकॉर्डिंग कानून-व्यवस्था के लिए जरूरी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई

दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर निगरानी और निजता के अधिकार से जुड़े मामले की सुनवाई 27 जुलाई तक के लिए टाल दी है। मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार और याचिकाकर्ता की ओर से निजता के अधिकार और सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी को लेकर दलीलें पेश की गईं। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार

की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर निजता के अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक प्रदर्शनों की वीडियो रिकॉर्डिंग कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक स्वीकृत प्रक्रिया है। तुषार मेहता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बाद जारी स्थायी आदेश के तहत बड़े प्रदर्शनों की रिकॉर्डिंग की जाती है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान किसी अप्रिय घटना की स्थिति में दोषियों की पहचान करने के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग जरूरी होती है।

उन्होंने यह भी कहा कि जब प्रदर्शनकारी खुद भी वीडियो बनाते हैं और उसे साझा करते हैं तो सार्वजनिक स्थान पर पूरी निजता की उम्मीद नहीं की जा सकती। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निजता के अधिकार से जुड़े फैसले में साफ किया गया है कि सार्वजनिक स्थानों और प्रदर्शनों के दौरान भी लोगों को निजता का अधिकार प्राप्त है।

विश्व हिन्दू परिषद के अखिल भारतीय संत इन्द्र गिरी महाराज पूर्णतः स्वस्थ होकर श्रद्धालुओं के बीच लौटे

अश्विनी वालिया/कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 24 जुलाई । विश्व हिन्दू परिषद के अखिल भारतीय संत इन्द्र गिरी महाराज बीमारी से पूर्णतः स्वस्थ होने के बाद पुनः श्रद्धालुओं के बीच सक्रिय हो गए हैं। स्वास्थ्य लाभ के उपरांत उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर सभी श्रद्धालुओं, शुभचिंतकों एवं उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करने वाले लोगों का आभार व्यक्त किया।

इन्द्र गिरी महाराज ने कहा कि ईश्वर की कृपा, संत समाज के आशीर्वाद और श्रद्धालुओं की प्रार्थनाओं से उन्हें पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ है। उन्होंने सभी से समाज, राष्ट्र और सनातन धर्म की सेवा के कार्यों में निरंतर सहयोग देने का आ'ान किया। इस अवसर पर आचार्य राम मेहर शर्मा, ब्लॉक प्रमुख थानेसर, ने कहा कि इन्द्र गिरी महाराज के पूर्णतः स्वस्थ होने से संत समाज एवं श्रद्धालुओं में हर्ष का वातावरण है। उन्होंने महाराज जी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहा है।

ऑपरेशन अपराजेय के तहत दिव्यांग बच्चों की सुरक्षा और पुनर्वास पर मंथन, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बनाई संयुक्त कार्ययोजना

नोएडा, यूटर्न/ 24 जुलाई । गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा संचालित ह्लऑपरेशन इन्विक्टस (ऑपरेशन अपराजेय)ह्व के तहत शुक्रवार को सेक्टर-108 स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में एक महत्वपूर्ण अंतरविभागीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने की। गोष्ठी का उद्देश्य ऑटिज्म एवं बौद्धिक दिव्यांगता से प्रभावित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, समुचित पुनर्वास, सरकारी योजनाओं तक उनकी पहुंच और एक सुरक्षित एवं समावेशी वातावरण सुनिश्चित करना रहा।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में 9 जून 2026 से ह्लऑपरेशन इन्विक्टस (ऑपरेशन अपराजेय)ह्व संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और उनके परिवारों को सरकारी योजनाओं, आवश्यक सेवाओं एवं कानूनी अधिकारों से जोड़ना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक शामिल करना है।

बैठक में अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा), जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द एम्पावरमेंट ऑफ पर्सन्स विद इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटीज के सहायक प्राचार्य तथा विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर दिव्यांग बच्चों के कल्याण के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

स्कूली सुरक्षा अभियान, बसों पर चला चेकिंग अभियान

स्कूल बसों की सुरक्षा जांच, 1 बस इंपाउंड

» पंचकूला, यूटर्न/ 24 जुलाई ।

हर अभिभावक सुनिश्चित करें कि उनका बच्चा सुरक्षित वाहन में ही सफर करे, स्कूल प्रशासन भी सुरक्षा मानकों से किसी प्रकार का समझौता न करें: पुलिस कमिश्नर पंकज नैन

सीसीटीवी कैमरों की जांच में कई बसों के कैमरे स्कूल के कंट्रोल सिस्टम से जुड़े नही मिलें, उनके भी काटे चालान ओवरलोडेड ऑटो पर एक्शन: 2 ऑटो इंपाउंड, खुद के एस्कॉर्ट वाहन से बच्चों को सुरक्षित घर पहुंचाया

निरीक्षण के दौरान डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने विद्यार्थियों से किया सीधा संवाद, यातायात नियमों और सुरक्षित यात्रा के प्रति किया जागरुक पंचकूला स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने और सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को धरातल पर पूरी सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन के नेतृत्व में पंचकूला पुलिस ने विशेष अभियान की शुरूआत की। अभियान के पहले ही दिन डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक आईपीएस अमरिंदर सिंह स्वयं सड़कों पर उतरकर विभिन्न स्थानों पर स्कूल बसों और स्कूली बच्चों को ले जाने वाले ऑटो वाहनों का औचक निरीक्षण करते नजर आए। निरीक्षण के दौरान 120 स्कूल बसों में सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई। पुलिस टीम ने बसों में लगे फायर एक्सटिंग्विशर, फर्स्ट एड बॉक्स, स्पीड गवर्नर की कार्यक्षमता, फिटनेस सर्टिफिकेट, चालक एवं परिचालक की वर्दी, आवश्यक दस्तावेज तथा अन्य सुरक्षा प्रबंधों की जांच की। विशेष रूप से बसों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की गई, जिनमें कई बसों के कैमरे स्कूल के कंट्रोल सिस्टम से जुड़े नहीं पाए गए। सुरक्षा मानकों में लापरवाही मिलने पर मौके पर ही 12 स्कूल बसों के चालान

किए गए तथा एक बस को इंपाउंड किया गया।

निरीक्षण के दौरान डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने बसों में सफर कर रहे विद्यार्थियों से भी बातचीत की और उन्हें यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा तथा सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बच्चों से अपील की कि यदि वाहन में कोई सुरक्षा संबंधी कमी दिखाई दे तो इसकी जानकारी अपने अभिभावकों एवं स्कूल प्रबंधन को अवश्य दें।

इसके बाद डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक ने स्कूली बच्चों को लेकर चल रहे ऑटो वाहनों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कुछ ऑटो निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर चलते मिले।

नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दो ऑटो को मौके पर ही इंपाउंड किया गया। इन ऑटो में मौजूद बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने स्वयं उन्हें अपने एस्कॉर्ट वाहन से सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था कराई।

दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता: अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, 11 चोरी की बाइक बरामद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई । दिल्ली पुलिस ने संगठित वाहन चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय ऑटो-लिफ्टर (वाहन चोर) गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 11 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सरफराज, निवासी महरौली (दिल्ली), और राहुल केशरवानी, निवासी अमेठी (उत्तर प्रदेश), के रूप में हुई है। पुलिस ने वह ऑटो-रिक्शा भी जब्त कर लिया है, जिसका इस्तेमाल आरोपी चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए करते थे। इस कार्रवाई की शुरूआत बॉबी खान नामक व्यक्ति की शिकायत से हुई, जिसने छतरपुर पहाड़ी क्षेत्र से अपनी बजाज डिस्कवर मोटरसाइकिल चोरी होने की सूचना दी थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस की विशेष टीम ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और स्थानीय स्तर पर गहन पूछताछ की। इसके बाद तकनीकी निगरानी और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सीडीआर चौक के पास जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 चोरी की मोटरसाइकिलें और वारदात में इस्तेमाल किया गया ऑटो-रिक्शा बरामद किया। इन बरामदगी के साथ दिल्ली के विभिन्न थानों में दर्ज 11 वाहन चोरी के मामलों का भी खुलासा हो गया है।

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, तीन शातिर गिरफ्तार; वाहन और अवैध तमंचा बरामद

नोएडा, यूटर्न/ 24 जुलाई । गौतमबुद्धनगर पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में सक्रिय एक अंतर्राज्यीय दोपहिया वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गिरोह के तीन शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की 9 मोटरसाइकिल, 1 स्कूटी तथा एक .315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, 23 जुलाई को थाना सेक्टर-126 पुलिस टीम ने गढ़ी शाहपुर कट, सेक्टर-131 नोएडा के पास घेराबंदी कर विकास कुमार, रोहित और कुलदीप को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि तीनों आरोपी एक संगठित अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के सदस्य हैं, जो दिल्ली-एनसीआर में लंबे समय से दोपहिया वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी मॉल, अस्पताल, मेट्रो स्टेशन, बाजार और आवासीय क्षेत्रों के बाहर खड़े वाहनों की पहले रेकी करते थे। मौका मिलते ही वाहन चोरी कर उन्हें सुनसान स्थानों पर छिपा देते थे। बाद में पुलिस की पकड़ से बचने के लिए चोरी किए गए वाहनों के इंजन और चेसिस नंबर घिसकर मिटा देते थे, ताकि उनकी पहचान न हो सके। इसके बाद इन वाहनों को सस्ते दामों पर बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर सेक्टर-131 स्थित यमुना डूब क्षेत्र की घनी झाड़ियों से चोरी की मोटरसाइकिलें और स्कूटी बरामद की हैं।

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने का दिया संदेश

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 24 जुलाई । विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आज दिनांक 24 जुलाई 2026 को स्वावलंबी भारत अभियान के तहत अभियान प्रभारी श्रीमती अनुराधा ,जिला प्रशिक्षक सौरभ चटर्जी, श्रीमान शुभम एवं श्रीमान ऋषि राज के द्वारा जागरूक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी गई। श्रीमती अनुराधा जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें स्व से जागरण करना चाहिए अर्थात स्वयं को जानना चाहिए और अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए । कर्तव्य पालन करने वाला व्यक्ति ही प्रथम पूजनीय है। उन्होंने बताया कि हमें एक ऐसा इंसान बनना चाहिए, जिसे सारी दुनिया याद करें। हमें अपने दिन की शुरूआत प्राणायाम , योग व अपने माता-पिता को प्रणाम करके करनी चाहिए । पढ़ाई के साथ-साथ हमें अपने अंदर निहित छिपी प्रतिभा का भी विकास करना चाहिए। हमें अपने अंदर की शक्ति को पहचानना चाहिए और लोगों की वर्तमान आवश्यकताओं को समझते हुए किसी न किसी नए कार्य की शुरूआत करनी चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। इतिहास में उन्हीं व्यक्ति का ही नाम होता है ,जो स्वार्थ छोड़कर काम करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियो को जीवन में कामयाब होने के लिए पांच नियम Start earning, early ii) Think new, Think big, Think out of box iii) I nstead of job Seeker, make job provider iv) be passionate, hard working v) Nation first, Swadeshi Must बताए एवं जीवन में उन पर काम करने को कहा । विद्यार्थियों को स्वयं से जोड़कर स्वावलंबन की यात्रा में शामिल होने के लिए प्रेरणा दी गई व कहा गया कि उन्हें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ कुछ ऐसे कार्य भी करने चाहिए जिससे वे कुछ पैसे कमा सके और अपने आगे की पढ़ाई का खर्चा खुद उठा सके व आत्मनिर्भर बन सके । उन्होंने विद्यार्थियों को स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करने व विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने के लिए भी कहा।

स्वरोजगार अपनाएंगे, देश समृद्ध बनाएंगे ' व जब बाजार जाएंगे ,सामान स्वदेशी लाएंगे नारे के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

पेज 07

मलाइका ने बढ़ाई उत्सुकता

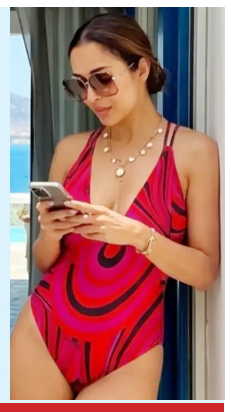

VOL: 03 | ISSUE 182 | SATURDAY DATE 25-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

पेपर लीक संशोधन बिल को कैबिनेट की हरी झंडी, 27 जुलाई को होगा संसद में पेश

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई । केंद्र की मोदी सरकार ने पेपर लीक संशोधन बिल को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में महत्वपूर्ण विधेयक पर मुहर लगी। माना जा रहा है कि बिल को 27 जुलाई को संसद में पेश किया जा सकता है। यह फैसला तब आया है जब कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों से जुड़े वीडियो संदेश में पेपर लीक के खिलाफ कड़े कानून बनाने की बात कही थी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा था कि पेपर लीक कोई मामूली मुद्दा नहीं है और यह लाखों छात्रों तथा उनके अभिभावकों के लिए बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने पिछले ढाई महीनों में दोषियों को पकड़ने, उन्हें जेल भेजने और कम समय में 22 लाख छात्रों की परीक्षा फिर कराकर 19 जुलाई को परिणाम जारी करने जैसे कदमों का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि हमारी सरकार इतने से संतुष्ट नहीं होगी और फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच, कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देने के लिए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेसवार्ता की। हालांकि, उन्होंने पेपर लीक बिल से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी।

सीजेपी-सरकार वार्ता: प्रधान के इस्तीफे पर गतिरोध बरकरार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई । नीट परीक्षा पेपर लीक विवाद को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और केंद्र सरकार के बीच शुक्रवार को दिल्ली में अहम बैठक हुई। दो घंटे चली वार्ता में जहां केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने और प्रभावित छात्रों के परिजनों को मुआवजा देने पर सहमति जाहिर की है। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की सीजेपी की प्रमुख मांग पर गतिरोध बना हुआ है। मोदी सरकार ने इस संवेदनशील मुद्दे पर आंतरिक चर्चा के लिए शनिवार तक का समय मांगा है। संविधान क्लब में हुई बैठक में एनडीए सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और पीएमओ राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह शामिल हुए, जबकि सीजेपी की ओर से मुख्य प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका ने प्रतिनिधित्व किया।

धर्मेंद्र प्रधान को हटाए बिना संसद में चर्चा नहीं, मेरा माइक फिर से किया गया बंद : राहुल गांधी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई**

संसद के मॉनसून सत्र के दौरान कांग्रेस के सांसदों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए स्पष्ट किया कि जब तक उन्हें पद से नहीं हटाया जाता, तब तक इस मुद्दे पर किसी भी चर्चा में भाग नहीं लिया जाएगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो संदेश और फास्ट ट्रैक कोर्ट के सुझाव पर भी विपक्ष ने सवाल उठाए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें सदन में अपनी बात रखने का अवसर नहीं दिया गया। संसदीय परंपरा के अनुसार, यदि किसी सदस्य का नाम लिया जाता है तो उसे जवाब देने का अधिकार होता है लेकिन जब वह केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के बयान का जवाब देना चाहते थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया और उन्हें बोलने नहीं दिया गया। राहुल गांधी ने विपक्ष का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि छात्रों की तीन प्रमुख मांगें हैं। पहली केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए। दूसरी, छात्रों पर कथित कार्रवाई और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। तीसरी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री को नहीं हटाया जाता, तब तक विपक्ष किसी चर्चा या बातचीत में हिस्सा नहीं लेगा। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि विपक्ष नीट पेपर लीक मामले पर गंभीर बहस और जवाबदेही चाहता है। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि भविष्य में प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा संपन्न होने तक पेपर लीक रोकने के लिए क्या ठोस व्यवस्था की जाएगी।

शिवभक्त कांवड़ियों के स्वागत में सजेगी दिल्ली : सीएम रेखा

मुख्यमंत्री बोली, स्वागत द्वारों से लेकर पुष्पवर्षा तक, दिल्ली सरकार करेगी कांवड़ियों का स्वागत

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई ।**

राजधानी में कांवड़ यात्रा के दौरान आस्था और व्यवस्था का संतुलन बनाए रखने के लिए दिल्ली सरकार ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष के बीच राजधानी में प्रवेश करने वाले शिवभक्तों को सम्मानजनक, सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल दिल्ली सरकार उपलब्ध कराएगी। साथ ही स्वागत द्वारों पर पुष्पवर्षा कर रेखा सरकार कांवड़ियों का स्वागत करेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कांवड़ यात्रा को सुगम, सुरक्षित, व्यवस्थित और भक्तिभाव से परिपूर्ण बनाने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। सावन के दौरान जब लाखों शिवभक्त 'हर हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष के साथ दिल्ली की सड़कों से गुजरते हैं तो पूरा वातावरण श्रद्धा और भक्ति से भर उठता है। दिल्ली सरकार ने राजधानी में प्रवेश करने वाले प्रत्येक कांवड़िए को सम्मान, सुरक्षा और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी कर ली है।

दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस समीक्षा बैठक में दिल्ली सरकार के कला एवं संस्कृति मंत्री व कांवड़ समिति के अध्यक्ष श्री कपिल मिश्रा, समिति के सदस्य विधायक श्री अजय महावर, श्री अनिल शर्मा, श्री करनैल सिंह, श्री संजय गोयल और श्री उमंग बजाज सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का संकल्प है कि राजधानी में आने वाला प्रत्येक शिवभक्त स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और अपनत्व से घिरा हुआ महसूस करे। उन्होंने अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा की तैयारियों में सेवा भाव को केंद्र में रखते हुए आपसी समन्वय के साथ काम किया जाए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कांवड़ियों के स्वागत के लिए दिल्ली के विभिन्न प्रमुख मार्गों और प्रवेश स्थलों पर स्वागत द्वार बनाए जाएंगे। श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा के साथ स्वागत करने की भी व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री स्वयं भी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर शिवभक्त कांवड़ियों का स्वागत करेंगी। उन्होंने कहा कि भगवान शिव के भक्तों के प्रति दिल्लीवासियों की श्रद्धा और सेवा भावना सदैव अद्भुत रही है। इस बार भी सरकार और आम जनता मिलकर कांवड़ यात्रा को श्रद्धा, सेवा और आतिथ्य का यादगार पर्व बनाएगी।

रिश्वत मामले में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक को चार साल की सजा

गाजियाबाद, यूटर्न/ 24 जुलाई । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने रिश्वत लेने के एक मामले में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की मछरा शाखा (मेरठ) के तत्कालीन शाखा प्रबंधक उमेश कुमार सिंघल को दोषी ठहराते हुए चार साल के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। सीबीआई के अनुसार, यह मामला 28 अप्रैल 2016 को दर्ज किया गया था। आरोप था कि शाखा प्रबंधक उमेश कुमार सिंघल ने शिकायतकर्ता से 2.50 लाख रुपए का ऋण मंजूर करने और जारी करने के बदले 28 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। यह ऋण 'इंदिरा संयुक्त दायित्व समूह' के लिए स्वीकृत किया जाना था, जिसका खाता उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की मछरा शाखा में था। जांच के दौरान पता चला कि बातचीत के बाद आरोपी 25 हजार रुपए रिश्वत लेने पर राजी हो गया। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और उमेश कुमार सिंघल को शिकायतकर्ता से 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने बाढ़ प्रभावित अहमदाबाद का किया दौरा, राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

अहमदाबाद, यूटर्न/ 24 जुलाई । गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को अहमदाबाद में बारिश से प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। उन्होंने बोपल, अंबली और घुमा जैसे बाढ़ प्रभावित इलाकों का खुद दौरा किया, जहां भारी बारिश के कारण जगह-जगह पानी भर गया था। बोपल के दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने हालात का खुद जायजा लेने के लिए बाढ़ प्रभावित इलाके में पैदल जाकर लोगों से बातचीत की और अधिकारियों को राहत और पानी निकासी के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। पटेल ने सबसे पहले बोपल में जल-जमाव की स्थिति का निरीक्षण किया, जहां भारी बारिश के कारण कई इलाके जलमग्न हो गए थे। जमीनी हालात का जायजा लेते हुए, उन्होंने मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बारिश का पानी निकालने के काम और राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने और जरूरी मैनपावर, उपकरण और अन्य संसाधनों की तुरंत उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को जलजमाव की समस्या को हल करने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने और यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि कोई भी रिहायशी सोसाइटी जलमग्न न रहे। बाद में, पटेल ने बारिश से प्रभावित इलाकों, अंबली और घुमा, का दौरा किया और अहमदाबाद नगर निगम, पुलिस और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

गाजीपुर नाले की सफाई के लिए उतरीं आधुनिक मशीनें

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दल्लूपुरा में एम्फीबियस एक्सकेवेटर मशीनों को दिखाई हरी झंडी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई ।**

दिल्ली सरकार ने राजधानी में बाढ़ और जलभराव की समस्या से निपटने के लिए गाजीपुर ड्रेन की सफाई और पुनर्स्थापना कार्य में दो अत्याधुनिक लॉन्ग-बूम एम्फीबियस एक्सकेवेटर मशीनों की शुरूआत की है। दल्लूपुरा गांव के पास आयोजित कार्यक्रम में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इन मशीनों का शुभारंभ किया। गाजीपुर ड्रेन नोएडा, साहिबाबाद, चिल्ला और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों का पानी दिल्ली से बाहर ले जाने वाला प्रमुख ड्रेनेज चैनल है। लंबे समय से

इसमें गाद जमा होने के कारण इसकी जल निकासी क्षमता प्रभावित हो रही थी। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि ड्रेन की 30 से 40 वर्षों से समुचित डी-सिल्टिंग नहीं हुई, जिससे पानी के बहाव में रुकावट आई।

सरकार अब पुराने जमा सिल्ट को हटाकर प्रमुख नालों की क्षमता बहाल करने पर काम कर रही है, ताकि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या कम हो सके।

भाजपा समर्थकों के दिल-दिमाग से भी उतर रही है पार्टी : अखिलेश

» **लखनऊ, यूटर्न/ 24 जुलाई ।**

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि भाजपा के समर्थक भी अब पार्टी की कार्यशैली से निराश और शर्मिंदा हैं। उन्होंने कहा कि आज जिन लोगों ने अपने घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और वाहनों से भाजपा के झंडे उतारे हैं, कल भाजपा उनके दिल-दिमाग से भी उतर जाएगी। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि एक ओर भाजपा और उसके सहयोगी अपने लोगों को प्रदर्शनकारियों के बीच भेजकर युवाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जब ऐसे लोगों को ह्लभाजपाईह्व कहा जाता है तो वे चिढ़ जाते हैं। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थक अयोध्या में कथित ह्लचढ़ावा-चंदा-दान चोरीह्व, दिल्ली में बच्चियों पर कथित अत्याचार, युवाओं के खिलाफ हिंसा, मुंबई में आंदोलनकारियों को कथित रूप से ड्रग्स के झूठे मामलों में फंसाने की धमकी और लखनऊ अग्निकांड में मृतक बच्चे की मां के साथ मुख्यमंत्री के कथित दुर्व्यवहार जैसी घटनाओं से शर्मिंदा हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के ह्लपेड और अनपेडह्व समर्थक भी अब जनाक्रोश को देखते हुए खुलकर सामने आने से बच रहे हैं। उनके अनुसार, भाजपा समर्थकों के व्हाट्सएप समूह भी पहले की तरह सक्रिय नहीं हैं और वे सार्वजनिक स्थानों पर जाने से भी परहेज कर रहे हैं।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों का ब्लॉक स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 24 जुलाई । हरियाणा विद्यालय शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित स्कूल फेडरेशन गेम्स 2026-27 (ब्लॉक स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता) में ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, उकलाना मंडी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीतकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। अंडर-19 वर्ग में युग ने 100 मीटर स्प्रिंट में प्रथम स्थान, आशीष ने 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान, कुशल ने 400 मीटर हर्डल्स में प्रथम स्थान तथा खुश ने 400 मीटर हर्डल्स में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर-17 वर्ग में आलोक ने हाई जंप में प्रथम स्थान, आदित्य ने डिस्कस थ्रो में द्वितीय स्थान तथा मुदित ने डिस्कस थ्रो में तृतीय स्थान हासिल किया । विद्यालय के प्रधानाचार्य भुवनेश भारद्वाज ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, नियमित अभ्यास और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यालय के खिलाड़ी आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। स्कूल निदेशक डॉ. सतीश भारती ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और संघर्ष करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल सदैव शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देता है ताकि विद्यार्थी शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से सशक्त बन सकें। उन्होंने सभी विजेता खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों तथा प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए आगामी जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएँ दीं।

खरीफ फसलों की प्रमुख समस्याओं के समाधान हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, उझा में किसान-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित

निर्मल सिंह विर्क/ पानीपत, यूटर्न/ 24 जुलाई । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि विज्ञान केन्द्र, उझा (पानीपत) तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पानीपत के संयुक्त तत्वावधान में आज कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर, उझा में किसानझवैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों, विशेषकर धान एवं गन्ना में वर्तमान समय में आने वाली प्रमुख समस्याओं के प्रति जागरूक करना तथा किसानों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का वैज्ञानिक आधार पर तत्काल समाधान उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में करनाल लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद के प्रतिनिधि श्री गजेन्द्र सलूजा ने शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र के सामने जल संरक्षण, भूमि की उर्वरता बनाए रखना तथा उत्पादन लागत कम करना सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। इन चुनौतियों का समाधान प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण तकनीकों तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने में निहित है। उन्होंने किसानों से आ'ान किया कि वे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाएं। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र, उझा तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पानीपत द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों संस्थाएं किसानों तक नवीनतम कृषि तकनीकों को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर डॉ. बलवंत सिंह, उप कृषि निदेशक, पानीपत ने किसानों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने 'मेरा पानीझमेरी विरासत', फसल अवशेष प्रबंधन तथा फसल विविधीकरण जैसी योजनाओं के उद्देश्यों एवं लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने का आग्रह किया, ताकि समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह प्राप्त कर खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में डॉ. सतपाल सिंह, समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, उझा ने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से धान एवं गन्ना फसलों में वर्तमान समय में आने वाली प्रमुख समस्याओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संतुलित उर्वरक प्रबंधन ही स्वस्थ एवं टिकाऊ खेती की आधारशिला है। उन्होंने किसानों को चेतावनी दी कि आवश्यकता से अधिक विशेषकर नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है।

सरकार के राजस्व में सबसे बड़ा योगदान देश व प्रदेश के व्यापारी और उद्योगपतियों का है : बजरंग गर्ग

सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करता है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए- बजरंग गर्ग

» हरियाणा, यूटर्न/ 24 जुलाई ।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष एवं हरियाणा कॉन्फेड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में व्यापारी प्रतिनिधियों की मीटिंग हुई। मीटिंग में जीएसटी विभाग के अधिकारियों द्वारा कथित रूप से व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान किए जाने, बार-बार की जा रही छापेमारी, निरीक्षण की कार्यप्रणाली तथा व्यापारियों के समक्ष उत्पन्न हो रही अन्य समस्याओं पर विचार किया गया। मीटिंग को संबोधित करते हुए व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि देश और प्रदेश का व्यापारी वर्ग हमेशा सरकार के साथ खड़ा रहा है।

व्यापारी और उद्योगपति पूरी ईमानदारी के साथ व्यापार करते हुए समय पर सरकार को जीएसटी सहित विभिन्न प्रकार के करों का भुगतान कर रहे हैं। सरकार के राजस्व में सबसे बड़ा योगदान व्यापार और उद्योग जगत का है, इसलिए व्यापारियों को सम्मान और सुरक्षा मिलनी चाहिए, ना कि अनावश्यक भय और उत्पीड़न। उन्होंने कहा कि सरकार ने कर व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बना दिया है। आज 50 हजार रुपये या उससे अधिक के माल के परिवहन पर ई-वे बिल अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त 5 करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक कारोबार वाले व्यापारियों के लिए ई-इनवॉइसिंग भी लागू है। प्रत्येक खरीद और बिक्री का रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध रहता है तथा जीएसटी पोर्टल पर सभी लेन-देन दर्ज होते हैं। ऐसी स्थिति में जीएसटी चोरी की संभावनाएं पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं। बजरंग गर्ग ने कहा कि जब व्यापारिक गतिविधियों की पूरी जानकारी सरकार के डिजिटल सिस्टम में उपलब्ध है, तब ईमानदार व्यापारियों की दुकानों, गोदामों और फैक्ट्रियों पर बार-बार छापेमारी किए जाने का कोई औचित्य समझ में नहीं आता जिसके कारण व्यापारी व उद्योगपतियों में बड़ी भारी नाराजगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर कुछ अधिकारी अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान कर रहे हैं, जिससे व्यापारियों में भारी असंतोष और भय का वातावरण बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के पास प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगातार ऐसी शिकायतें आ रही हैं कि कुछ अधिकारी निरीक्षण और जांच के नाम पर व्यापारियों पर अनावश्यक दबाव बनाते हैं। इससे व्यापारियों का समय, ऊर्जा और आर्थिक संसाधन प्रभावित होते हैं। यदि कोई व्यापारी नियमों का पालन कर रहा है और सभी करों का भुगतान कर रहा है, तो उसे बिना किसी ठोस कारण के परेशान करना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। बजरंग गर्ग ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल किसी भी प्रकार की कर चोरी, फर्जी बिलिंग या अवैध व्यापार का समर्थन नहीं करता। यदि कोई व्यक्ति कानून का उल्लंघन करता है तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन कानून का पालन करने वाले ईमानदार व्यापारियों को संदेह के आधार पर बार-बार निशाना बनाना उचित नहीं है।

वंदे मातरम को कानूनी सुरक्षाः बाधा डालने पर होगी जेल, लेफ्ट पार्टियों ने शुरू किया विरोध

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई । संसद के मॉनसून सत्र के पहले हफ्ते में हंगामे के बीच राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया गया। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय द्वारा पेश किए गए बिल का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम-को राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान जन गण मन की तरह कानूनी सुरक्षा देना है। यदि यह विधेयक संसद से पारित होकर कानून बनता है, तब वंदे मातरम-गाने में बाधा डालने या उसके अपमान का दोषी साबित होने पर संबंधित व्यक्ति को 3 साल तक की जेल, जुर्माना, या दोनों सजा हो सकती है। यह प्रावधान राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान के अपमान पर होने वाली कार्रवाई के समान होगा। मोदी सरकार इस कदम को राष्ट्रीय गीत के सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए जरुरी बता रही है, वहीं लेफ्ट पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं। विपक्ष के भारी हंगामे और विरोध के कारण विधेयक पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी। शुक्रवार को सदन की कार्यवाही को कई बार स्थगित करना पड़ा और अंततः उपसभापति हरिवंश ने सोमवार, 27 जुलाई को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की।

विश्व हिन्दू परिषद के अखिल भारतीय संत इन्द्र गिरी महाराज पूर्णतः स्वस्थ होकर श्रद्धालुओं के बीच लौटे

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 24 जुलाई । विश्व हिन्दू परिषद के अखिल भारतीय संत इन्द्र गिरी महाराज बीमारी से पूर्णतः स्वस्थ होने के बाद पुनः श्रद्धालुओं के बीच सक्रिय हो गए हैं। स्वास्थ्य लाभ के उपरांत उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर सभी श्रद्धालुओं, शुभचिंतकों एवं उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करने वाले लोगों का आभार व्यक्त किया। इन्द्र गिरी महाराज ने कहा कि ईश्वर की कृपा, संत समाज के आशीर्वाद और श्रद्धालुओं की प्रार्थनाओं से उन्हें पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ है। उन्होंने सभी से समाज, राष्ट्र और सनातन धर्म की सेवा के कार्यों में निरंतर सहयोग देने का आ'ान किया। इस अवसर पर आचार्य राम मेहर शर्मा, ब्लॉक प्रमुख थानेसर, ने कहा कि इन्द्र गिरी महाराज के पूर्णतः स्वस्थ होने से संत समाज एवं श्रद्धालुओं में हर्ष का वातावरण है। उन्होंने महाराज जी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहा है।

करोड़ों के घोटाले में चर्चा का विषय बनी पवन पांडेय के साथ यूपी उत्तराखंड अधिकारियों की मिली भगत

सुनील बाजपेई/कानपुर, यूटर्न/ 24 जुलाई । भारतीय को-ऑपरेटिव ग्रामीण विकास निर्माण लिमिटेड के नाम पर लगभग 70 करोड़ के वित्तीय घोटाले का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। यह एक ऐसा घोटाला है जो चोरी छुपे नहीं बल्कि खुलेआम किया गया है। जानकारी के मुताबिक इसी दौरान महाप्रबंधक पवन कुमार पांडेय द्वारा करोड़ों के इस घोटाले की कमाई से खरीदी गई संपत्तियों का भी विवरण देते हुए उच्च स्तरीय जांच एवं संपत्ति कुर्की करने की भी मांग की गई है। इससे संबंधित विवरण शिकायत पत्र के रूप में उत्तराखंड शासन को भी भेजा जा चुका है ,जिसका विवरण भारतीय को-ऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड (देहरादून/लखनऊ) द्वारा उत्तराखंड राज्य में सांसद निधि एवं खेलकूद विभाग महानिदेशक विभाग व अन्य विभाग सरकारी निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी और शासकीय धन का गबन किये जाने,फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कार्य करने, निगम' मतलब सरकारी संस्था के रूप में न केवल प्रदर्शित करने बल्कि भ्रामक तथ्यों के आधार पर शासन में खुद को निर्माण कार्य हेतु सूचीबद्ध भी करवाने, नियम विरुद्ध भारतीय शब्द का प्रयोग करने और 40 करोड़ रुपये का जीएसटी सरकारी खजाने में जमा नहीं करने, गबन के धन से लखनऊ में चार आलीशान मकान, पांच गाड़ियां, जनपद गोंडा (ग्राम पंचायत बेलसर) में कृषि भूमि और दो स्कूल जनपद लखनऊ आदि जैसी बेहिसाब बेनामी संपत्ति अपनी पत्नी, बेटे और स्वयं के नाम पर अर्जित करने, देहरादून, उत्तराखंड में लगभग 2000 वर्ग फीट का आवासीय मकान एवं एक आलीशान फ्लैट आदि जैसी सच्चाई से जुड़ा है।

आगरा में गूंजेगा सामाजिक न्याय का स्वर, छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती पर जुटेंगे देशभर के प्रबुद्धजनः राजबीर सिंह भारतीय

» हरियाणा, यूटर्न/ 24 जुलाई ।

महान समाज सुधारक, शिक्षा के प्रबल समर्थक और सामाजिक न्याय के अग्रदूत राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में ऑल इंडिया अंबेडकर महासभा (पंजीकृत) द्वारा 26 जुलाई (रविवार) को यूथ हॉस्टल, एमजी रोड, आगरा में दोपहर 12 बजे भव्य 'प्रबुद्धजन शिखर वार्ता' का आयोजन किया जाएगा। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से बुद्धिजीवी, शिक्षाविद, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा और संविधान प्रेमी एक मंच पर एकत्र होकर सामाजिक न्याय, शिक्षा, समान अवसर और संवैधानिक मूल्यों पर व्यापक विचार-विमर्श करेंगे। महासभा के चंडीगढ़ प्रदेश संयोजक राजबीर सिंह भारतीय ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश बहादुर होंगे। राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अमरीक सिंह बंगड़ कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे, जबकि राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रीना गावस्कर वाल्मीकि मुख्य वक्ता के रूप में सामाजिक न्याय, संविधान और समतामूलक समाज की अवधारणा पर अपने विचार रखेंगी। राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने शिक्षा, आरक्षण, सामाजिक समानता और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए जो ऐतिहासिक कार्य किए, वे आज भी भारतीय लोकतंत्र और संविधान की आत्मा को मजबूत करने वाले प्रेरणास्रोत हैं। उनके विचार वर्तमान समय में सामाजिक समरसता, समान अवसर और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि यह शिखर वार्ता केवल एक जयंती समारोह नहीं, बल्कि संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने, सामाजिक चेतना को मजबूत करने और नई पीढ़ी को समानता, बंधुत्व तथा लोकतांत्रिक आदर्शों से जोड़ने का एक राष्ट्रीय अभियान है। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युवाओं की भागीदारी, संवैधानिक अधिकारों तथा सामाजिक परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर मंथन किया जाएगा।

त्योहारी सीजन में मर्सिडीज-बेंज की रिकॉर्ड बिक्री की उम्मीद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई । लग्जरी कार निमार्ता मर्सिडीज-बेंज त्योहारी सीजन में धमाकेदार बिक्री की उम्मीद कर रही है, जिससे वह अपने सर्वश्रेष्ठ वर्ष की ओर बढ़ रही है। मजबूत ऑर्डर बुक और लगातार मांग के दम पर, कंपनी ने कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली छमाही में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वर्तमान में मर्सिडीज-बेंज के पास ग्राहकों के 2,000 ऑर्डर लंबित हैं। हाल ही में लॉन्च हुई सीएलएइस साल के अंत तक बुक हो चुकी है, जबकि ईक्यूएस एसयूवी के लिए तीन-चार महीने का इंतजार है। कंपनी के एक अधिकारी बताया कि कंपनी किसी एक इंजन तकनीक पर केंद्रित नहीं है; ग्राहकों को पेट्रोल, डीजल, बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (पीएचईवी) जैसे सभी विकल्प उपलब्ध हैं। कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत है। पीएचईवी उन ग्राहकों के लिए अतिरिक्त विकल्प है जो इलेक्ट्रिक अनुभव चाहते हैं पर चार्जिंग की सीमाएं हैं। यह तकनीक पसंद पर आधारित रहेगी, पूरे पोर्टफोलियो में नहीं। पुर्जों का स्थानीयकरण मात्रा पर निर्भर करेगा।

आईटीसी अपनाएगा नई रणनीति, अवैध व्यापार पर नकेल कसने की तैयारी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई । सिगरेट पर भारी टैक्स बढ़ोतरी के बाद आईटीसी ने अवैध व्यापार से होने वाले नुकसान को कम करने और बाजार में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए एक नई रणनीति अपनाई है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुरी ने बताया कि कंपनी अवैध व्यापार को रोकने के लिए एक नपी-तुली मूल्य निर्धारण रणनीति अपना रही है, साथ ही नवाचार के जरिये अपने पोर्टफोलियो को नया रूप दे रही है। यह कदम 1 फरवरी, 2026 से प्रभावी होने वाले नए टैक्स ढांचे के बाद आया है, जिसमें जीएसटी को ट्रांजेक्शन वैल्यू के 28 फीसदी से बढ़ाकर रिटेल बिक्री मूल्य का 40 फीसदी कर दिया गया है और उत्पाद शुल्क में भी भारी वृद्धि हुई है। इस सरकारी अधिसूचना के बाद से आईटीसी के शेयर 31 दिसंबर से 30 प्रतिशत से अधिक गिर चुके हैं, जबकि बीएसई एफएमसीजी इंडेक्स में इसी अवधि में 10.26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पुरी ने कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति पर जोर देते हुए कहा, हम पोर्टफोलियो को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं और बाजार में कई नवाचार देखने को मिलेंगे।

रुपया 22 पैसे मजबूत होकर 96.51 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई, यूटर्न/ 24 जुलाई । रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में 22 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.51 पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बाद रुपये में और गिरावट को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के कमजोर होने से रुपये को कुछ समर्थन मिला, जबकि विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में लगातार गिरावट से स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 96.81 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह संभलकर 96.51 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

भारत में आईफोन 17 सीरीज का दबदबा, एप्पल के शिपमेंट में 44 प्रतिशत हिस्सेदारी

» **मुंबई, यूटर्न/ 24 जुलाई ।**

एप्पल की आईफोन 17 सीरीज ने 2026 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई हैं, जो कंपनी के कुल आईफोन शिपमेंट में 44 प्रतिशत की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी के साथ सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन लाइनअप बन गया। एक रिपोर्ट में जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 16 सीरीज 40 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि आईफोन 17ई का योगदान 6 प्रतिशत और आईफोन 16ई का 5 प्रतिशत रहा। पुरानी आईफोन 15 सीरीज भी 4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाजार में अपनी मौजूदगी बनाए रखने में सफल रही।

रिपोर्ट में बताया गया हैं कि अप्रैल-जून तिमाही आमतौर पर एप्पल के लिए मौसमी रूप से धीमी रहती है, क्योंकि कंपनी अपनी अगली पीढ़ी की आईफोन 18 सीरीज लांच करने की तैयारी करती है। इस साल मेमोरी सप्लाई से जुड़ी चुनौतियों ने भी कुल शिपमेंट को प्रभावित किया। एप्पल के आईपैड कारोबार पर भी टैबलेट बाजार में आई सुस्ती का असर देखने को मिला। कुल आईपैड शिपमेंट में आईपैड 11 सीरीज की हिस्सेदारी सर्वाधिक 55 प्रतिशत रही, इसके बाद आईपैड एयर 2026 सीरीज ने 38 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की।

सीएमआर का अनुमान है कि आगामी त्यौहारी सीजन में एप्पल की बिक्री फिर से रफ्तार पकड़ सकती है, विशेषकर पहले फोल्डेबल आईफोन की संभावित लॉन्चिंग के चलते। हालांकि, सप्लाई से जुड़ी चुनौतियां निकट भविष्य में बनी रह सकती हैं, इसके बावजूद भारतीय बाजार में एप्पल की मजबूत स्थिति बरकरार रहने की उम्मीद है।

अनुमान है कि 2026 के अंत तक एप्पल भारतीय स्मार्टफोन बाजार में लगभग 12 प्रतिशत और टैबलेट बाजार में करीब 30 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर लेगा।

कैबिनेट ने कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 1,264 करोड़ रुपए की मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजना को दी मंजूरी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने शुक्रवार को कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में बल्लारी-गुंटकल रेलखंड पर तीसरी और चौथी रेल लाइन के निर्माण की परियोजना को मंजूरी दे दी। इस परियोजना पर कुल 1,264 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

बैठक के बाद जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह मल्टीट्रैकिंग परियोजना कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के तीन जिलों में फैली हुई है, जिसके तहत भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 46 किलोमीटर का विस्तार किया जाएगा। परियोजना को वर्ष 2028-29 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना से लगभग 99 गांवों की रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जहां करीब 7 लाख लोग रहते हैं। साथ ही, बल्लारी किला और श्री कुमार स्वामी मंदिर सहित देश के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क भी मजबूत होगा। बयान के अनुसार, यह रेलमार्ग लौह अयस्क, डोलोमाइट, चूना पत्थर, लोहा एवं इस्पात, कोयला, उर्वरक और खाद्यान्न जैसी प्रमुख वस्तुओं के परिवहन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। परियोजना पूरी होने के बाद माल ढुलाई क्षमता में प्रतिवर्ष 16.22 मिलियन टन (एमटीपीए) की अतिरिक्त वृद्धि होगी। सरकार ने कहा कि रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन माध्यम है। इस नेटवर्क विस्तार से देश के जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा, इससे लगभग 1.32 करोड़ लीटर तेल की बचत होगी और 6.67 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग 27 लाख पेड़ लगाने के बराबर मानी गई है। यह परियोजना प्रधानमंत्री गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य एकीकृत योजना और विभिन्न हितधारकों के सहयोग से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी तथा लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाना है।

इसके माध्यम से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही अधिक सुगम होगी। सरकार के अनुसार, अतिरिक्त रेल लाइन बनने से रेलवे की लाइन क्षमता बढ़ेगी, जिससे परिचालन दक्षता और सेवा की विश्वसनीयता में सुधार होगा। यह परियोजना रेल नेटवर्क पर भीड़भाड़ कम करने और संचालन को अधिक सुचारु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बयान में कहा गया कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नया भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के अनुरूप है, जिसके माध्यम से क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

आईकू जल्द लांच करेगी नया आईकू 16 फोन और कॉम्पैक्ट टैबलेट

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई । स्मार्टफोन निमार्ता कंपनी आईकू जल्द ही नया आईकू 16 फोन और एक कॉम्पैक्ट टैबलेट लॉन्च करने की तैयारी में है। चीन में सितंबर या अक्टूबर में संभावित लॉन्च इवेंट का मुख्य आकर्षण आईकू 16 होगा, जिसके साथ आईकू नियो 12 और एक कॉम्पैक्ट टैबलेट भी पेश किया जा सकता है। लंबे समय से चर्चा में रहे इस टैबलेट को हाल ही में चीन की एसआरआरसी अथॉरिटी से मॉडल नंबर आईपिए2691 के साथ महत्वपूर्ण सर्टिफिकेशन मिला है, जो इसके आसन्न लॉन्च का संकेत है। जानकारी के अनुसार, यह छोटू टैबलेट 2एनएम स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 6 सीरीज चिप से लैस होगा और यह केवल वाई-फाई वर्जन में आएगा, जिसमें सिम कार्ड सपोर्ट नहीं होगा। परफॉर्मेंस फोकस्ड इस टैबलेट में पतले बेजल्स के साथ ओएलईडी पैनल और हाई रिफ्रेश रेट मिलने की उम्मीद है। वहीं, आगामी आईकू 16 की बात करें तो, डिजिटल चैट स्टेशन ने बताया है कि इसे क्वालकॉम के अनअनाउंसड स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 6 प्रो चिपसेट के साथ टेस्ट किया जा रहा है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की आर्थिक रफ्तार कायम : आरबीआई

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बीच भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जून तक देश में आर्थिक गतिविधियों की तेज रफ्तार कायम रही है, जो कि औद्योगिक और सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन को दिखाता है। आरबीआई के के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी अनिश्चित आर्थिक माहौल, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और बिखरे हुए व्यापारिक संबंधों जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है।

इसके बावजूद, भारत ने मजबूत घरेलू मांग और औद्योगिक व सेवा क्षेत्रों के लचीलेपन के दम पर बाहरी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। कृषि क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम मानसून का वितरण भले ही असमान रहा हो, लेकिन खाद्यान्न के पर्याप्त भंडार के कारण खाद्य मुद्रास्फीति पर इसका असर सीमित रहने की संभावना है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि बा' क्षेत्र की संवेदनशीलता से जुड़े संकेतक मजबूत बने हुए हैं। बुलेटिन के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में निर्यात और आयात में मजबूत वृद्धि ने विदेशी व्यापार की गति को बनाए रखा है। हाल ही में भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के लागू होने और अन्य द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में प्रगति से इस रफ्तार को और मजबूती मिलने की संभावना है।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने एयरलाइन कारोबार में उतरने की रिपोर्ट्स को किया खारिज

» **अहमदाबाद, यूटर्न/ 24 जुलाई ।**

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने शुक्रवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स और अटकलों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि अदाणी समूह की फ्लैगशिप कंपनी एयरलाइन शुरू करने की योजना बना रही है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अदाणी समूह एयरलाइन कारोबार में प्रवेश करने की तैयारी कर रहा है।

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के प्रवक्ता ने कहा, 'हम हाल की उन मीडिया रिपोर्ट्स और बाजार की अटकलों का स्पष्ट रूप से खंडन करते हैं, जिनमें कहा गया है कि अदाणी एंटरप्राइजेज एयरलाइन शुरू करने की योजना बना रही है।'

उन्होंने आगे कहा, 'ये रिपोर्ट्स पूरी तरह निराधार और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। अदाणी एंटरप्राइजेज एयरलाइन कारोबार में प्रवेश करने के किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है।' हाल ही में अदाणी एयरपोर्ट्स ने अपने एयरपोर्ट नेटवर्क के तहत पांच राज्यों में एकीकृत एयरपोर्ट सिटी विकसित करने के लिए पहले चरण में 20,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाली महत्वाकांक्षी योजना का ऐलान किया था।

इस परियोजना के तहत छह हवाईअड्डों में 655 एकड़ से अधिक भूमि का विकास किया जाएगा, जिसमें अकेले मुंबई और नवी मुंबई में लगभग 440 एकड़ भूमि शामिल है।

एआई-आधारित ऑटोमेशन से बढ़ रही पेटीएम की लागत दक्षता, मुनाफे में भी आई तेजी: जेएम फाइनेंशियल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई ।**

ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित ऑटोमेशन पेटीएम की लागत दक्षता को संरचनात्मक रूप से मजबूत करने वाला प्रमुख कारक बनकर उभर रहा है। इसकी मदद से कंपनी तेज वृद्धि के बावजूद अपने खर्चों को लगभग स्थिर बनाए रखने में सफल रही है।

ब्रोकरेज ने पेटीएम के वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजों को 'मजबूत निष्पादन की एक और तिमाही' करार देते हुए कहा कि कंपनी का मुनाफा उसके अनुमान से अधिक रहा। यह सुधार ऐसे समय में आया है, जब कंपनी मर्चेंट और उपभोक्ता अधिग्रहण में निवेश जारी रखे हुए है।

जेएम फाइनेंशियल के अनुसार, कलेक्शन, ग्राहक सेवा और मर्चेंट अधिग्रहण में एआई-आधारित ऑटोमेशन लागत दक्षता का प्रमुख संरचनात्मक आधार बन रहा है, जिसके चलते नॉन-सेल्स ओवरहेड खर्च लगभग स्थिर बने हुए हैं। ब्रोकरेज ने यह भी कहा कि पेटीएम का फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन कारोबार उसका सबसे तेजी से बढ़ने वाला ग्रोथ इंजन बनकर उभर रहा है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में इस कारोबार से राजस्व सालाना आधार पर 45 प्रतिशत बढ़कर 814 करोड़ रुपए पहुंच गया। इसमें मर्चेंट और कंज्यूमर लेंडिंग डिस्ट्रीब्यूशन की मजबूत वृद्धि का बड़ा योगदान रहा।

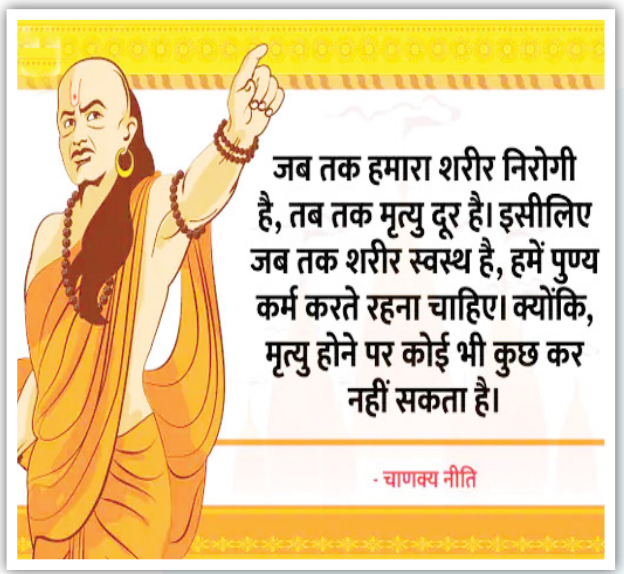

छात्रों के भविष्य पर सियासत का संग्राम

नीट पेपर लीक का मामला अत्यंत गंभीर है। करोड़ों परिवारों की उम्मीदें प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी होती हैं। यदि परीक्षा की गोपनीयता भंग होती है तो केवल प्रश्नपत्र नहीं लीक होता, बल्कि लाखों विद्यार्थियों का विश्वास भी टूटता है। इसलिए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आवश्यक है। केंद्र सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपी, कई आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और प्रधानमंत्री ने पेपर लीक के मामलों के लिए फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित करने की घोषणा की। सरकार ने संसद में यह भी कहा कि वह इस विषय पर किसी भी दिन और किसी भी अवधि की चर्चा के लिए तैयार है।

कांतिलाल मांडोत

नीट से संसद तक हंगामा लोकतंत्र में विरोध जरूरी लेकिन क्या जनहित से ऊपर हो गई है चुनावी राजनीति

देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था संसद का उद्देश्य सरकार से जवाब मांगना, कानून बनाना और जनता के मुद्दों पर गंभीर चर्चा करना है। वहीं लोकतंत्र में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन जब संसद का बहुमूल्य समय लगातार हंगामे की भेंट चढ़ने लगे और सड़क पर चल रहे आंदोलनों का स्वर समाधान से अधिक राजनीतिक टकराव का प्रतीक बन जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर सबसे बड़ा नुकसान किसका हो रहा है। इसका सीधा उत्तर है–देश के छात्रों, युवाओं और आम नागरिकों का। नीट पेपर लीक का मामला अत्यंत गंभीर है। करोड़ों परिवारों की उम्मीदें प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी होती हैं। यदि परीक्षा की गोपनीयता भंग होती है तो केवल प्रश्नपत्र नहीं लीक होता, बल्कि लाखों विद्यार्थियों का विश्वास भी टूटता है। इसलिए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आवश्यक है। केंद्र सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपी, कई आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और प्रधानमंत्री ने पेपर लीक के मामलों के लिए फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित करने की घोषणा की। सरकार ने संसद में यह भी कहा कि वह इस विषय पर किसी भी दिन और किसी भी अवधि की चर्चा के लिए तैयार है। इसके बावजूद संसद के मानसून सत्र में गतिरोध बना रहा। विपक्ष ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को चर्चा की पूर्व शर्त बना दिया। संसद के बाहर इंडिया गठबंधन और एनडीए के सांसद आमने-सामने आ गए। नारेबाजी हुई, आरोप-प्रत्यारोप हुए और दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन यदि संसद ही चर्चा का मंच न बन सके तो फिर जवाबदेही किस प्रकार तय होगी।

विपक्ष का कहना है कि शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें। यह उनका राजनीतिक अधिकार है। दूसरी ओर सरकार का तर्क है कि जांच चल रही है, गिरफ्तारी हो चुकी है और चर्चा के लिए वह तैयार है। ऐसे में लोकतांत्रिक परंपरा यही अपेक्षा करती है कि पहले संसद में खुली बहस हो, तथ्यों पर चर्चा हो और उसके बाद राजनीतिक निष्कर्ष निकाले जाएं। यदि हर विषय पर पहले इस्तीफे की शर्त रखी जाएगी तो संसदीय विमर्श की परंपरा कमजोर होगी। वर्तमान घटनाक्रम का दूसरा पक्ष जंतर-मंतर पर चल रहा आंदोलन है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन पूरी तरह वैध है, लेकिन जब किसी आंदोलन के दौरान हिंसा, पुलिस से टकराव, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या आम नागरिकों के जीवन को बाधित करने जैसे आरोप सामने आते हैं, तब आंदोलन की नैतिक शक्ति कमजोर पड़ जाती है। यदि किसी प्रदर्शन में कानून का उल्लंघन होता है तो पुलिस का कर्तव्य कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। वहीं पुलिस की कार्रवाई भी कानून के दायरे में और निष्पक्ष होनी चाहिए। दोनों पक्षों की जवाबदेही लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष इस मुद्दे को आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में भी देख रहा है। छात्र और युवा हर चुनाव में महत्वपूर्ण मतदाता होते हैं। ऐसे में कोई भी राजनीतिक दल स्वयं को युवाओं का सबसे बड़ा हितैषी दिखाना चाहता है। यही कारण है कि नीट का मुद्दा केवल परीक्षा व्यवस्था तक सीमित न रहकर राजनीतिक संघर्ष का प्रमुख विषय बन गया है। लेकिन इस पूरी कवायद में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या छात्रों की वास्तविक समस्याएं केंद्र में हैं या राजनीतिक लाभ?

इतिहास भी बताता है कि परीक्षा अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाएं केवल किसी एक सरकार या एक राजनीतिक दल के कार्यकाल तक सीमित नहीं रही हैं। पूर्ववर्ती सरकारों के समय भी विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परीक्षाओं में पेपर लीक तथा धांधली के मामले सामने आए थे। इससे स्पष्ट है कि यह समस्या राजनीतिक दलों से अधिक परीक्षा व्यवस्था की संस्थागत कमजोरियों से जुड़ी है। इसलिए यदि आज विपक्ष सरकार से जवाब मांग रहा है तो यह उसका अधिकार है, लेकिन उसे यह भी स्वीकार करना होगा कि परीक्षा प्रणाली में सुधार सभी सरकारों की साझा जिम्मेदारी रही है।

संसद में लगातार हंगामे का एक और गंभीर परिणाम है। मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत करना चाहती है, जिनमें न्यायपालिका, शिक्षा, एमएसएमई, आयकर और अन्य विषयों से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। यदि सदन बार-बार स्थगित होगा तो इन विधेयकों पर सार्थक चर्चा प्रभावित होगी।

जंतर-मंतर पर ऑपरेशन प्रोटेस्ट 2.0
प्रदर्शनकारी पुलिस और सरकार से आगे

संदीप शर्मा

हर दौर की सरकार को लगता है कि उसने विरोध-प्रदर्शनों से निपटने का तरीका पूरी तरह सीख लिया है। वहीं, हर दौर के प्रदर्शनकारी चुपचाप इसका नया तरीका अपना लेते हैं।

जंतर-मंतर के नजारों से लगा कि यह जाना-पहचाना मुकाबला अब एक नए दौर में पहुँच गया है। यह सिर्फ. लोगों का जमावड़ा नहीं था जो प्लेकार्ड लिए नारे लगा रहे हों। यह किसी अच्छी तरह से तैयार किए गए ऑपरेशन जैसा था, जिसमें प्रशासन की हर संभावित चाल का आम लोगों की तरफ से भी उतना ही सोच-समझकर जवाब दिया जा रहा था।

पहली हैरानी की बात थी बातचीत का तरीका: अगर यह सोचा गया था कि आम मोबाइल कनेक्टिविटी बंद करने से प्रदर्शनकारी अलग-थलग पड़ जाएँगे, तो यह सोच आधुनिक तकनीक के सामने टिक नहीं पाई। प्रदर्शनकारियों के बीच अक्सर 'ब्रायर' (इ११) की चर्चा हो रही थी, जो एक पीयर-टू-पीयर मैसेजिंग ऐप है। इसे इसलिए बनाया गया है ताकि आम इंटरनेट सेवाएँ भरोसेमंद न होने पर भी लोग एक-दूसरे से जुड़े रह सकें। पहले से की गई बेहतरीन तैयारी के साथ-साथ जानकारी का आदान-प्रदान जारी रहा, वॉलंटियर्स ने एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाया और निर्देश हैरानी की हद तक तेजी से भीड़ के अलग-अलग हिस्सों तक पहुँचे।

दूसरी हैरानी धुएँ के साथ सामने आई: आँसू गैस के गोले लंबे समय से घबराहट और केमिकल, दोनों पर निर्भर रहे हैं। लेकिन युवा प्रदर्शनकारी इन दोनों ही चीजों को बेअसर करने के लिए तैयार दिखे। बिना मकसद इधर-उधर भागने के बजाय, वॉलंटियर्स ने लोगों को जल्दी से सँभलने में मदद की; उन्होंने गीले तौलियों और जूट की बोरियों से आँसू गैस के गोलों को बेअसर कर दिया।

फिर वॉटर कैनन (पानी की बौछार) का इस्तेमाल हुआ: लगभग यह उम्मीद थी कि प्रदर्शनकारी इंजीनियरिंग के डायग्राम दिखाएँगे। इसके बजाय, उन्होंने तेजी से हालात के हिसाब से खुद को ढाला; कई बार उन्होंने पानी की तेज धार का रुख मोड़ने या उसके असर को कम करने की कोशिश की। सबक सीधा था: भीड़ को काबू करने का कोई भी नया तरीका आखिरकार भीड़ की तरफ से भी किसी नए तरीके को जन्म देता है।

शायद सबसे खास बात थी संगठन: प्रदर्शनकारी शायद ही कभी सिर्फ.एक भीड़ की तरह व्यवहार करते दिखे। वे टीमों की तरह काम कर रहे थे। छोटे-छोटे समूह एक साथ रहे, एक-दूसरे का ध्यान रखा और दबाव बढ़ने पर फिर से एकजुट हो गए। अगर एक समूह तितर-बितर होता, तो दूसरा उसकी जगह लेने के लिए तैयार दिखता। वॉलंटियर्स फर्स्ट-एड किट, पीने का पानी और निर्देश लेकर सामने आए। अनुशासन काबिले-तारीफ था। और फिर वह रहस्य सामने आया जिसने मिलिट्री लॉजिस्टिक्स के जानकारों को भी हैरान कर दिया।

खाना: अक्सर उम्मीद की जाती है कि भूख लगने पर प्रदर्शनों की रफ़्तार धीमी पड़ जाएगी। फिर भी खाना आता रहा। अलग-अलग दिशाओं से खाने के पैकेट आते दिखे। पानी की बोतलें बड़ी मात्रा में मौजूद थीं। वॉलंटियर्स ने पक्का किया कि जरूरत मंद लोगों तक सामान पहुँचे। यह बताना मुश्किल था कि कोई विरोध-प्रदर्शन देख रहा है या दबाव में चल रही एक बेहतरीन ढंग से संचालित कम्युनिटी किचन। इस बीच, अधिकारी पुरानी सोच के साथ ही स्थिति से निपटने की कोशिश कर रहे थे। दशकों से, भीड़ को नियंत्रित करने के तौर-तरीकों में बैरिकेड्स, संचार में रुकावट, आंसू गैस, वॉटर कैनन और बलपूर्वक भीड़ को तितर-बितर करने पर ही ध्यान दिया जाता रहा है। ये तरीके उस दौर में विकसित हुए थे जब सूचनाएं धीरे-धीरे फैलती थीं और संगठन मुख्य रूप से आमने-सामने के तालमेल पर निर्भर करते थे।

आज के प्रदर्शनकारी बिल्कुल अलग दुनिया में रहते हैं: वे अलग-अलग महाद्वीपों में हो रहे प्रदर्शनों से सीखते हैं। वे प्रदर्शन स्थल पर पहुंचने से पहले ही अपनी रणनीतियों पर चर्चा कर लेते हैं। वे हर तरह की संभावित स्थितियों के लिए तैयारी रखते हैं। वे अधिकारियों की प्रतिक्रियाओं का अंदाजा लगभग उतनी ही बारीकी से लगाते हैं जितनी बारीकी से सरकारें उनकी योजना बनाती हैं। हर विरोध-प्रदर्शन अगले प्रदर्शन के लिए सबक छोड़ जाता है। यह मुकाबला चुपचाप ताकत के प्रदर्शन से बदलकर हालात के अनुसार खुद को ढालने की होड़ में बदल गया है।

वहशीपन - बच्चों को शारीरिक दंड देना दंडनीय अपराध है

मनोज कुमार अग्रवाल

आजकल कुछ टीचर बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर बेहद वहशीपन से भरी शारीरिक दंड की सजा देकर मानसिक दिवालियापन का परिचय दे रहे हैं। आप जानते हैं कि जीवन में माता-पिता के बाद अध्यापक का ही सर्वोच्च स्थान माना गया है। अध्यापक ही बच्चों को सही शिक्षा देकर ज्ञानवान बनाते हैं, परंतु आज चंद अध्यापक-अध्यापिकाएं अपनी मर्यादा को भूल कर बच्चों पर अमानवीय अत्याचार कर रहे हैं जो पिछले कुछ दिनों से घटनाओं की झड़ी लगी है वह काफी पीड़ादायक है और सोचने को मजबूर कर देती है। ऐसे टीचर सच मे टीचर नहीं हो कर टीजर बन जाते हैं जो बच्चों के बालमन पर हमेशा के लिए बेहद बुरे अनुभव से भरी छाप छोड़ देते हैं ऐसे टीचर्स के जुल्म का शिकार बन ने वाले बच्चे कभी भी ऐसा करने वाले टीचर को सम्मान की नजर से नही देख पाते हैं उल्टा उनकी नजरों से तमाम टीचर्स का सम्मान कम हो जाता है। कुछ ताजा वारदातों का हवाला देते हुए आपको बता दें कि बीती 14 मार्च को शेडटीकेरे (कर्नाटक) स्थित सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक प्रमोद सोनक्की ने 13 वर्षीय छात्र को बैंत से बुरी तरह पीटा जिससे उसके शरीर पर नीले निशान पड़ गए और उसे तेज बुखार आ गया।15 मार्च को नागपुर (महाराष्ट्र) के एक सरकारी प्राइमरी स्कूल की पांचवीं कक्षा की एक छात्रा को गणित का सवाल गलत हल करने पर उसकी शिक्षिका ने बेरहमी से पीट दिया जिससे उसके हाथ पर गहरी चोट लग गई।30 जून को मट्टानूर (केरल) स्थित सरकारी

प्राइमरी स्कूल में दूसरी कक्षा का एक छात्र अपनी कापी पर अध्यापक विपिन द्वारा ब्लैकबोर्ड पर लिखे नोट्स धीरे-धीरे उतार रहा था जिससे नाराज होकर शिक्षक ने उस पर छड़ी से कई वार कर दिए जिससे उसकी पीठ से खून बहने लगा।

10 जुलाई को वाल्मीकि नगर (पश्चिम चम्पारण, बिहार) स्थित एक रैजीडैंशियल स्कूल के 10 वर्षीय छात्र कृष की किसी गलती की वजह से अध्यापक द्वारा पिटाई के परिणामस्वरूप मौत हो गई। 14 जुलाई को पटना (बिहार) के एक सरकारी स्कूल की छात्रा अध्यापक के पूछने पर अपना रोल नम्बर गलत बता बैठी, जिस पर गुस्से में आकर शिक्षक अमित कुमार ने उसे छड़ी से इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी पीठ लहू-लुहान हो गई और उस पर गहरे निशान पड़ गए।

15 जुलाई को मलीहाबाद (उत्तर प्रदेश) स्थित सीनियर सैकेंडरी स्कूल में होमवर्क पूरा न होने पर शिक्षक हसीब ने चौथी कक्षा के एक छात्र को डंडे से बुरी तरह पीट डाला जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

17 जुलाई को मयूरभंज (ओडिशा) में उदल स्थित एक सरकारी रैजीडैंशियल स्कूल के 4 छात्रों के बिना बताए रथ यात्रा देखने चले जाने पर गुस्से में आए अध्यापक ने लोहे के पाइप से उनकी बेरहमी से पिटाई कर डाली। इससे एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया।

18 जुलाई को बेतिया (बिहार) के सिरसिया मठिया स्थित सरकारी सीनियर सैकेंडरी सकूल में एक शिक्षक ने छठी कक्षा के एक छात्र की इतनी बेरहमी से पिटाई की कि उसके शरीर पर गहरे घाव हो गए।

18 जुलाई को ही जौनपुर (उत्तर प्रदेश) के बरसठी थाना क्षेत्र के चमरहा स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल में मिड डे मील के वितरण के समय 2 बच्चों में विवाद की शिकायत मिलने पर शिक्षक मोहम्मद आरिफ नामक अध्यापक ने चौथी कक्षा में पढ़ने वाले प्रतीक यादव नामक 8 वर्षीय छात्र को इतनी बेरहमी से पीटा कि वह बेहोश हो गया। परिजनों ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।और अब 18 जुलाई को ही लुधियाना (पंजाब) में ब्रह्मपुरी स्थित सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले छात्र के माता-पिता ने अपने बच्चे के साथ मारपीट करने के आरोप में अध्यापिका रिंकू रानी के विरुद्ध पुलिस में दर्ज शिकायत में कहा है कि अध्यापिका ने बच्चे को इतनी बेरहमी से पीटा कि वह सदमे में चला गया और उसकी तबीयत बिगड़ गई।

भारत में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिनियम, 2009 की धारा 17 के तहत स्कूलों में बच्चों को शारीरिक दंड देना या मानसिक रूप से प्रताड़ित करना पूरी तरह प्रतिबंधित और दंडनीय अपराध है।

मात्र सात मिनट के रोल से मिली थी विवाह में भूमिका: अमृता राव

बॉलीवुड फिल्म विवाह में निभाए गए पूनम के किरदार को लेकर हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव ने बताया कि उन्हें यह प्रतिष्ठित किरदार किस तरह मिला। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि निर्देशक सूरज बड़जात्या ने उन्हें किसी बड़ी हिट फिल्म के कारण नहीं, बल्कि एक ऐसी फिल्म में निभाए गए बेहद छोटे से किरदार को देखकर चुना था, जिसकी उन्होंने खुद भी कल्पना नहीं की थी।

अमृता राव ने बताया कि सूरज बड़जात्या ने उन्हें फिल्म द लीजेंड ऑफ भगत सिंह में उनके लगभग सात मिनट के छोटे से किरदार के आधार पर विवाह के लिए चुना था। अभिनेत्री के लिए यह बेहद आश्चर्यजनक था, क्योंकि उन्हें नहीं लगा था कि इतने कम स्क्रीन टाइम वाला किरदार किसी बड़े निर्देशक का ध्यान आकर्षित कर सकता है। लेकिन सूरज बड़जात्या ने उसी छोटी-सी भूमिका में उनकी सहजता और सादगी को पहचाना और उन्हें अपनी फिल्म की मुख्य नायिका बनने का अवसर दिया। अमृता ने अपनी पहली मुलाकात का अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वह सूरज बड़जात्या से मिलने पहुंचीं, तब उन्हें यह बिल्कुल पता नहीं था कि उन्हें किस तरह के किरदार के लिए बुलाया गया है।

इसी वजह से वह सामान्य मुंबई की युवती की तरह जींस और टी-शर्ट पहनकर उनसे मिलने गई थीं। मुलाकात के दौरान उन्हें पता चला कि निर्देशक उन्हें मधुपुर की एक सरल, पारंपरिक और संस्कारी लड़की पूनम की भूमिका में देख रहे हैं। उस समय उन्हें अपने आधुनिक पहनावे और प्रस्तावित किरदार के बीच का अंतर काफी दिलचस्प लगा और वह इस बात को याद कर आज भी मुस्कुरा देती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि मुलाकात के दौरान सूरज बड़जात्या ने कहा था कि उन्हें वह एक फिल्म में बहुत पसंद आई थीं। पहले तो अमृता को लगा कि शायद वह उनकी किसी चर्चित या सफल फिल्म की बात कर रहे हैं, लेकिन जब उन्होंने द लीजेंड ऑफ भगत सिंह का नाम लिया तो वह हैरान रह गईं। अमृता के अनुसार, यह उनके लिए बेहद भावुक पल था, क्योंकि महज सात मिनट की भूमिका ने भी एक दूरदर्शी निर्देशक पर इतनी गहरी छाप छोड़ी थी कि उन्होंने उन्हें अपनी सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक की नायिका बना दिया। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी विवाह में अमृता राव के साथ शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

अभिनय केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं : महिमा मकवाना

अपनी आगामी वेब सीरीज मुसाफिर कैफे को लेकर चर्चा में बनी अभिनेत्री महिमा मकवाना ने कहा कि अभिनय केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण पेशा भी है। महिमा मकवाना का मानना है कि मनोरंजन जगत की चमक-दमक के पीछे कई ऐसी चुनौतियां छिपी होती हैं, जिनका सामना कलाकारों को रोजाना करना पड़ता है। अनियमित कार्यशैली, लंबे शूटिंग घंटे और लगातार बदलते शेड्यूल कलाकारों पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं, इसलिए मानसिक रूप से संतुलित रहना उनके लिए सबसे बड़ी आवश्यकता बन जाता है। महिमा मकवाना ने कहा कि किसी भी कलाकार के लिए एक निश्चित और अनुशासित दिनचर्या बेहद जरूरी होती है। उनका मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित जीवनशैली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अभिनय ऐसा पेशा है, जहां हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है और इसके लिए मन का शांत तथा संतुलित होना आवश्यक है।

मलाइका ने बढ़ाई उत्सुकता

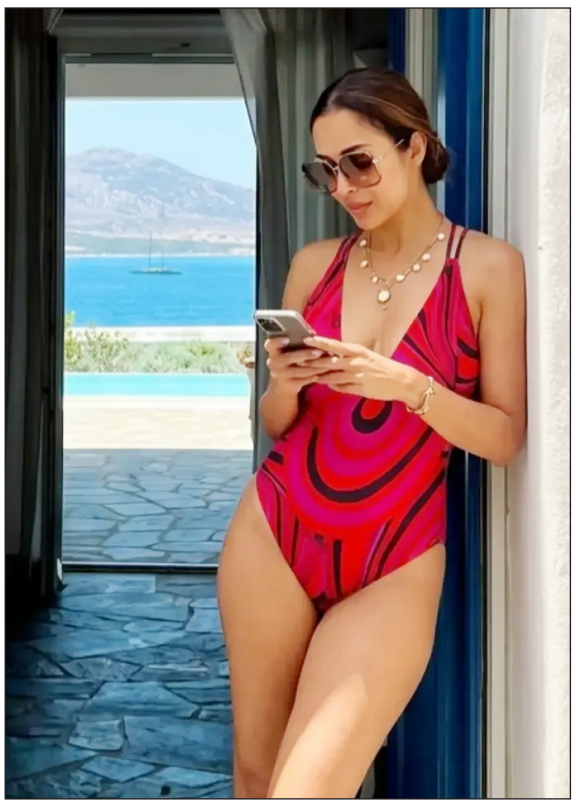

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा, जो अपनी फिटनेस और फैशन स्टेटमेंट के लिए मशहूर हैं, इन दिनों ग्रीस में अपनी छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने वेकेशन की कई तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें नीले समंदर के खूबसूरत नजारे, पारंपरिक सफेद घर, मनमोहक सनसेट और उनके स्टाइलिश लुक्स फैंस का ध्यान खींच रहे हैं। इन तस्वीरों में मलाइका ने कई आकर्षक आउटफिट्स पहने हैं; एक में वह पारंपरिक ग्रीक आर्किटेक्चर के बीच सुकून के पल बिताती दिख रही हैं, वहीं एक अन्य तस्वीर में उन्होंने गुलाबी और लाल शेड की आकर्षक मोनोकिनी पहनी है। हालांकि, इन सभी मनमोहक तस्वीरों के बीच एक खास तस्वीर ने सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा हलचल मचाई है। इस तस्वीर में मलाइका समुद्र के बीच एक रहस्यमयी शख्स के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीर में दोनों का चेहरा नहीं दिखता क्योंकि इसे पीछे से लिया गया है, और वे हाथ उठाकर ड्रिंक का आनंद लेते दिख रहे हैं। इस तस्वीर के सामने आने के बाद फैंस के बीच उस मिस्ट्री मैन की पहचान को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

अविका गौर का छलका दर्द

बालिका वधू नाटक में आनंदी का किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाने वाली अविका गौर हाल ही में अपने सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कुछ ऐसी बातें साझा की हैं, जिनसे उनके फैंस चिंता में आ गए हैं। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि भीड़ में रहने के बावजूद भी वह खुद को काफी अकेला महसूस करती हैं, और कभी-कभी कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें व्यक्ति चाहकर भी समझ नहीं पाता। अविका ने अपने पोस्ट में लिखा कि, आप असल में हर किसी की कहानी में एक अलग किरदार होते हैं। किसी के लिए मजाकिया दोस्त, किसी के लिए शांत स्वभाव वाले तो किसी के लिए बेहद डरावने और किसी के लिए वो इंसान, जिसके बारे में उन्होंने सोचा था कि तुम अलग होगे। उन्होंने आगे कहा कि इन्हीं सब बातों के बीच आप खुद को समझने की कोशिश करते हो। शायद यही वजह है कि हर किसी को खुश रखना या खुद को पूरी तरह समझ पाना नामुमकिन है क्योंकि हर इंसान अपनी जिंदगी के अलग-अलग अध्याय पढ़ रहा होता है।

'मां के लिए था वो सेलिब्रेशन', परिवार और कोच को समर्पित किया वैभव ने इंटरनेशनल करियर का पहला अर्धशतक

हरारे, यूटर्न/ 24 जुलाई । जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 18 गेंदों में अर्धशतक लगाया। वैभव ने कहा कि करियर की शुरूआत में ही अच्छा प्रदर्शन करना आने वाले मैचों के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। 15 वर्षीय वैभव टी20 इंटरनेशनल में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने 19 गेंदों में 50 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 4 चौके और 4 छक्के लगाए। वैभव ने 15 साल 118 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। उन्होंने लुई ब्रूस का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने इस फॉर्मेट में 16 साल और 56 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। वैभव इंटरनेशनल क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले भी सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में नेपाल के कुशल मल्ला को पीछे छोड़ा है। कुशल ने साल 2020 में अमेरिका के खिलाफ 15 साल और 340 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। बीसीसीआई डॉट टीवी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में उन्होंने कहा, 'जब आप अपने करियर के शुरूआती दौर में होते हैं और आपको ऐसी पारियां खेलने को मिलती हैं और आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इससे आने वाले मैचों के लिए आत्मविश्वास बढ़ता है। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं अपनी लय में था और मैंने बस अपनी ताकत का इस्तेमाल किया; बस इतना ही। मैं यह अर्धशतक अपने परिवार, अपने कोच और उन सभी लोगों को समर्पित करना चाहता हूं जिन्होंने मेरे अच्छे और बुरे दौर में मेरा साथ दिया है।

फोटो स्टोरी

न्यूयार्क में अमेरिका की शे कैरी रिचर्डसन यूएसएटीएफ चैम्पियनशिप में महिलाओं की 100 मीटर रेस में आगे निकलती हुई

फटाफट खबरें

न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में चाकू से हमला, दो लोग घायल

न्यूयॉर्क, यूटर्न/ 24 जुलाई । अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में सेंट्रल पार्क में चाकू से किए गए हमले में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, एक व्यक्ति ने राह चलते दो लोगों पर चाकू से हमला किया। दोनों घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। घटना मैनहटन स्थित सेंट्रल पार्क में हुई। पुलिस के अनुसार, हमलावर ने कथित तौर पर हमला करते समय धार्मिक नारा लगाया था और इसके बाद दोनों लोगों पर चाकू से वार किए। घायल लोगों में एक व्यक्ति यहूदी समुदाय से है, जबकि दूसरा एशियाई मूल का बताया गया है। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान 51 वर्षीय राउल मोराल्स के रूप में हुई है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में ओआईसी को घेरा, कश्मीर मुद्दे पर दखल को लेकर उठाए सवाल

संयुक्त राष्ट्र, यूटर्न/ 24 जुलाई । भारत ने कश्मीर मुद्दा उठाने के लिए ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) की आलोचना की है और इस मामले में उसके अधिकार पर सवाल उठाया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने गुरुवार को कहा कि ऐसे अंतर-क्षेत्रीय (क्रॉस-रीजनल) समूह, जो न तो भौगोलिक आधार पर जुड़े हैं और न ही साझा मुद्दों पर आधारित हैं तथा जिनका अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से कोई सीधा संबंध नहीं है, उन्हें विवादों और संघर्षों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'ऐसे समूहों के पास विवादों के समाधान के लिए जरूरी क्षेत्रीय जानकारी और विषयगत विशेषज्ञता का अभाव होता है।' हालांकि हरीश ने इस्लामिक सहयोग संगठन का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा स्पष्ट रूप से उसी संगठन की ओर था। ओआईसी अपने विभिन्न मंचों पर कई बार जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठा चुका है। हाल ही में उसके महासचिवालय ने पिछले वर्ष अक्टूबर में भी इस विषय का उल्लेख किया था।

ईरान पर लगातार 13वीं रात बरसे अमेरिकी बम, सैन्य ठिकानों पर फिर किए हमले

वाशिंगटन, 24 जुलाई (आईएएनएस)। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिका की सेना ने गुरुवार शाम (स्थानीय समय) को ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमलों का एक और दौर शुरू किया। अमेरिकी सेना ने लगातार 13वीं रात को ईरान के ऊपर हमला जारी रखा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमले ईस्टर्न टाइम के हिसाब से शाम 6:45 बजे शुरू हुए और उनका मकसद 'ईरान को जिम्मेदार ठहराना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से कमर्शियल शिपिंग को होने वाले खतरों को कम करना' था। कमांड ने एक्स पर एक और पोस्ट में कहा कि इस महीने की शुरूआत में ईरान के खिलाफ नेवल ब्लॉकेड फिर से शुरू करने के बाद से अमेरिकी सेना ने 12 कमर्शियल जहाजों को दूसरी तरफ मोड़ दिया है और एक को ईरानी पोर्ट या तटीय इलाकों में आने या जाने से रोक दिया है।

फोटो स्टोरी

चेक गणराज्य में सेना के एक वीनम हेलीकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद आपातकालीन दस्ते के कर्मचारी उसके मलबे की जांच करते हुए।

पानी के बंटवारे को लेकर सिंध और बलूचिस्तान के बीच बढ़ा विवाद

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 24 जुलाई । पाकिस्तान इन दिनों आर्थिक और राजनीतिक संकट के साथ गंभीर जल संकट से भी जूझ रहा है। देश के सबसे बड़े और संसाधन संपन्न प्रांतों में शामिल बलूचिस्तान में पानी की कमी ने हालात बेहद खराब कर दिए हैं। राजधानी क्वेटा में पेयजल संकट इतना गहरा गया है कि अब यह मुद्दा दो प्रांतों के बीच राजनीतिक विवाद का कारण बन चुका है। बलूचिस्तान के नेताओं का आरोप है कि सिंध प्रांत उनके हिस्से का पानी रोक रहा है, जिससे न केवल किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं, बल्कि आम लोगों को पीने के पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। क्वेटा में गिरते भूजल स्तर ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। कई इलाकों में बोरवेल और कुएं सूख चुके हैं, जबकि सरकारी जल आपूर्ति व्यवस्था भी लंबे समय से प्रभावित है। क्वेटा के कई क्षेत्रों में पिछले कई महीनों से नलों में पानी नहीं पहुंचने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

ट्रंप ने भारत समेत 60 देशों पर फोड़ा टैरिफ बम

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 24 जुलाई**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत करीब 60 व्यापारिक सहयोगी देशों पर नए टैरिफ लागू करने का ऐलान कर दिया है। नए नियमों के तहत भारत को 10 प्रतिशत टैरिफ वाली श्रेणी में रखा गया है। यह शुल्क शुक्रवार रात 12.01 बजे (ईस्टर्न टाइम) से प्रभावी हो गया। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह कदम उन देशों के उत्पादों पर नियंत्रण के लिए उठाया गया है, जिनके निर्यात में कथित तौर पर जबरन मजदूरी का इस्तेमाल होता है।

अमेरिका ने इससे पहले लागू किए गए अतिरिक्त टैरिफ की समयसीमा खत्म होने के बाद नई व्यवस्था लागू की है। नए टैरिफ का असर भारत, चीन और यूरोपीय संघ समेत अमेरिका के कई बड़े व्यापारिक साझेदारों पर पड़ने की संभावना है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह नीति व्यापार में निष्पक्षता लाने और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने के उद्देश्य से बनाई गई है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों के मुताबिक, जबरन मजदूरी को लेकर टैरिफ लगाने की नीति अमेरिका में लंबे समय से मौजूद है। नया शुल्क इस साल की शुरूआत में लगाए गए 10 प्रतिशत के वैश्विक टैरिफ की जगह लेगा। ट्रंप प्रशासन ने दावा किया है कि नए टैरिफ की तैयारी में करीब एक महीने तक काम किया गया है और इसे कानूनी रूप से मजबूत आधार के साथ लागू किया गया है। इस नई व्यवस्था में भारत को उन 17 देशों के समूह में रखा गया है, जिन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। वहीं चीन और जापान समेत कई देशों पर 12.5 प्रतिशत तक शुल्क लगाया गया है।

अमेरिका-सऊदी अरब के बीच हुए नए परमाणु सहयोग समझौते पर बढ़ा विवाद

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 24 जुलाई । अमेरिका और सऊदी अरब के बीच हुए नए परमाणु सहयोग समझौते ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और परमाणु सुरक्षा को लेकर नई बहस छेड़ दी है, जिस यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को लेकर अमेरिका सालों से ईरान पर दबाव बना रहा है अब उसी तकनीक से जुड़ी सीमित अनुमति अपने करीबी सहयोगी सऊदी अरब को देने के कारण वह आलोचनाओं के घेरे में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन इस समझौते को ऊर्जा, निवेश और रणनीतिक साझेदारी की दिशा में अहम कदम बता रहा है, जबकि अमेरिकी कांग्रेस, परमाणु अप्रसार विशेषज्ञ और इजराइल के कई रणनीतिक विश्लेषक इसे भविष्य के लिए जोखिमपूर्ण मान रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समझौते के तहत सऊदी अरब को भविष्य में अपने यहां यूरेनियम संवर्धन की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। हालांकि इसके लिए कई सुरक्षा शर्तें तय की गई हैं।

'रूस के अहम सैन्य और तेल ठिकानों को बनाया निशाना' यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जुलाई ।**

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को रूस के अहम सैन्य उद्यम और तेल से जुड़े ठिकानों पर हमले का दावा किया। जेलेंस्की के मुताबिक, इन हमलों से रूस की सैन्य आपूर्ति व्यवस्था पर असर पड़ा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''शुक्रवार को यूक्रेन की रक्षा सेनाओं ने रूस के किरोव में स्थित उसके एक अहम सैन्य उद्यम पर हमला किया। यह कंपनी रूसी सेना के विमानों और मिसाइल सिस्टम के लिए जरूरी पुर्जे बनाती है, जिनका इस्तेमाल हमारे शहरों और बस्तियों पर बड़े पैमाने पर होने वाले हमलों में किया जाता है। मैं हमारे जवानों की सटीक कार्रवाई के लिए उनका धन्यवाद करता हूं। हमारी यह जवाबी कार्रवाई पूरी तरह जायज है।'

जेलेंस्की ने कहा कि हमारे लॉन्ग-रेंज बैन का असर भी करीब 1,350 किलोमीटर दूर स्थित एक तेल सुविधा पर साफ दिखाई दिया। इसके अलावा भी कई सफल हमले किए गए। सबसे अहम बात यह है कि रूसी सेना तक ड्रोन के पुर्जे, नेविगेशन उपकरण और अन्य सैन्य सामान पहुंचाने वाली उनकी सप्लाई चेन के खिलाफ हमारा अभियान अभी भी जारी है।

मैं हमारी सशस्त्र सेनाओं, खुफिया एजेंसियों और यूक्रेन की सुरक्षा सेवा की हर उस यूनिट का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने इन सफलताओं को संभव बनाया।

दरअसल, दोनों ओर से हमलों का जवाब दिया जा रहा है। रूस भी लगातार यूक्रेन पर हमलावर बना हुआ है।

गुरुवार को ही पावलोहराद में रूसी सेना के हवाई हमलों से एक औद्योगिक परिसर पर तीन लोगों की मौत हो गई थी। जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस बार-बार रिहायशी इलाकों को निशाना बना रहा है।

जेलेंस्की के अनुसार, रूस ने खेरसोन पर भी हमला किया। इस हमले में कई अपार्टमेंट इमारतें और सामान्य रिहायशी घर, क्षेत्रीय बच्चों का क्लीनिकल अस्पताल और कई शैक्षणिक संस्थान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वहां भी कई लोग घायल हुए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि रूस ने सूमी और खार्कीव क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया। ओडेसा पर भी मिसाइलों से हमला किया गया।

बांग्लादेश में राष्ट्रपति शहाबुद्दीन को देना पड़ सकता है इस्तीफा

शेख हसीना से बातचीत बनी विवाद की वजह

» **ढाका, यूटर्न/ 24 जुलाई ।**

बांग्लादेश में राजनीतिक संकट एक बार फिर गहराता नजर आ रहा है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के अपने कार्यकाल की समाप्ति से करीब दो साल पहले ही पद छोड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, उनके जल्द इस्तीफा देने की संभावना है। शहाबुद्दीन जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन और सत्ता परिवर्तन के बाद भी अपने संवैधानिक पद पर बने हुए हैं। 2024 के बड़े छात्र आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। इसके बाद हसीना बांग्लादेश छोड़कर भारत चली गई थीं, जहां वह अब तक रह रही हैं। मौजूदा राजनीतिक माहौल में राष्ट्रपति और हसीना के बीच कथित संपर्क को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच विवाद बढ़ गया है।

राष्ट्रपति के संभावित इस्तीफे की चर्चाओं को उस समय और बल मिला, जब संसद अध्यक्ष हाफिज उद्दीन अहमद ने अपनी थाईलैंड यात्रा बीच में ही खत्म कर ढाका लौटने का फैसला किया। उनका पहले रविवार को लौटना तय था, लेकिन राजनीतिक हलचल के बीच वह शुक्रवार को ही वापस आ रहे हैं। संविधान के अनुसार राष्ट्रपति अपना इस्तीफा संसद अध्यक्ष को सौंपते हैं और नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक अध्यक्ष ही राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभालते हैं।

मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति शहाबुद्दीन और शेख हसीना के बीच हाल में टेलीफोन पर बातचीत हुई थी। इस बातचीत को लेकर सरकार में नाराजगी की खबरें सामने आई हैं। हालांकि राजनीतिक नेताओं का कहना है कि राष्ट्रपति के इस्तीफे की संभावित वजह केवल यह बातचीत नहीं है, बल्कि मामला इससे कहीं ज्यादा जटिल है। दरअसल, शेख हसीना ने हाल ही में दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की बात कही थी। उनकी वापसी की घोषणा के बाद देश की राजनीति और ज्यादा संवेदनशील हो गई है। सरकार ने उनके लौटने की बात का स्वागत तो किया है, लेकिन साथ ही कहा है कि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना होगा। मौजूदा घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब बांग्लादेश पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *